KIDS WORLD SCHOOL, NAGPUR
SESSION – 2026-27
CLASS - IX
SUBJECT – HINDI

UNIT		Topic	Sub-Topic	Month		Suggested Ice- Breaking Activity	Teaching Pedagogy	Curricular Goals	Competency	Expected Learning Outcome	Assessment
No.	Name			Starting	Closing						
पाठ 1	दो बैलों की कथा - [प्रेमचंद]			JULY DAY 1	JULY	**"नाम में क्या रखा है?"** "तुम्हारे घर में गाय, भैंस, बैल का नाम क्या है?" बच्चे बताएंगे - "कपिला, मोती, राजा"।	स्वतंत्रता तथा परतंत्र का अंतर स्पष्ट करते हुए पाठ का पठन तथा स्पष्टीकरण, शब्दार्थ	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आशाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	'दो बैलों की कथा' में पशु-पात्रों के मानवीकरण, उनकी मित्रता, संघर्ष व स्वतंत्रता की भावना को पहचानकर तात्पर्य स्पष्ट किया।	
	दो बैलों की कथा - [प्रेमचंद]			DAY 2		**"सबसे अच्छा दोस्त कौन?"** - "तुम्हारा सबसे पक्का दोस्त कौन? उसके बिना कैसा लगता है?"	पशु द्वारा किए गए स्वतंत्रता का वर्णन कथा पठन तथा स्पष्टीकरण द्वारा	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में आषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	हीरा और मोती के चरित्र की विशेषताएँ उदाहरण स्पष्ट किया।	
	दो बैलों की कथा - [प्रेमचंद]			DAY 3		**"जानवर बोलते तो?"** - "अगर तुम्हारा पालतू कुत्ता/बिल्ली बोल सकता, तो सबसे पहले क्या कहता?"	स्वतंत्रता का महत्व दर्शाते हुए कथा द्वारा परतंत्र में होने वाली समस्या तथा परिणाम का वर्णन करते हुए कथा का समापन, पठन ,स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आशाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	साहित्यिक कथा के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं, मूल्यों व सामाजिक यथार्थ का रसास्वादन किया गया।	

	दो बैलों की कथा - [प्रेमचंद]			DAY 4		**काम करे तो खाना"** - "बैल खेत जोतता है, गाड़ी खींचता है। बदले में उसे चारा मिलता है। ये सही है या गलत?"	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	
कविता 8	पद - [रैदास]			JULY DAY 1	JULY	1 लाइन का भजन" -:बोर्ड पर लिखें: "प्रभु जी, तुम *_ *, हम * *_ ___"।	पद , दोहे , कविता में अंतर स्पष्ट करते हुए पद का पठन तथा स्पष्टीकरण , शब्दार्थ	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	संत रैदास के पदों में व्यक्त निर्गुण भक्ति, सामाजिक समता व श्रम-महिमा के भावों की पहचान कर व्याख्या की।	
	पद - [रैदास]			DAY 2		**"काम ही पूजा है"** - "पढ़ाई करना पूजा है या नहीं? माँ की मदद करना पूजा है या नहीं?"	पद द्वारा समाज में किए जाने वाले परिवर्तन का वर्णन तथा पदों का पठन, स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	भक्ति काल की कविता का रसास्वादन कर सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को समझे।	
	पद - [रैदास]			DAY 3		"**भगवान कहाँ रहता है?**" "भगवान कहाँ मिलता है? मंदिर, मस्जिद, चर्च में?" जवाब लें।	पद द्वारा दी जाने वाली सीख तथा चर्चा - सत्र द्वारा पदों में दिए गए संदर्भ की पहचान	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में आषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	संत रैदास के जीवन-दर्शन व सामाजिक योगदान का परिचय हुआ।	

	पद - [रैदास]			DAY 4		"ऊँच-नीच का खेल" - "क्या कभी किसी ने तुम्हें कहा - 'तुम छोटे हो, ये काम मत करो' या 'तुम लड़की हो, ये मत खेलो'?"	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.1-विभिन्न श्रव्य और लिखित सामग्री का विश्लेषण और मूल्यांकन करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	ASSESSMENT AS LEARNING
पाठ 2	क्या लिखूँ? - [पटुमलाल पुन्नालाल बख्शी]			AUGUST DAY 1	AUGUST	"**खाली पन्ना डराता है?**" - लिखने को कहा जाए तो सबसे पहले मन में क्या आता है?" - "कुछ समझ नहीं आता, क्या लिखूँ?"	लेखन कार्य का निर्माण , लेखन क्रिया तथा विस्तृत शब्द भंडार का वर्णन करते हुए पाठ का पठन तथा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	कल्पनाशीलता व सृजनात्मकता के साथ विविध विषयों पर सहज, प्रभावी अभिव्यक्ति किया।	
	क्या लिखूँ? - [पटुमलाल पुन्नालाल बख्शी]			DAY 2		**"1 मिनट, 1 विषय"** - बोर्ड पर लिखें: "बारिश"। कहें: "1 मिनट है। बारिश पर जो मन में आए लिख डालो। सोचो मत, बस लिखो।"	लेखन कार्य द्वारा दी जाने वाली सीख तथा चर्चा - सत्र द्वारा दिए गए संदर्भ की पहचान करवाते हुए पाठ का स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	लेखन-प्रक्रिया की बाधाओं को पहचानकर उनसे उबरने के उपाय बताए।	

	क्या लिखूँ? - [पटुमलाल पुन्नालाल बख्शी]			DAY 3		"**आँख बंद - क्या दिखा?**":कहें: "आँख बंद करो। 30 सेकंड। अब बताओ क्या दिखा, क्या सुना, क्या सूँघा?"	लेखन कार्य द्वारा समाज में किए जाने वाले परिवर्तन का वर्णन तथा पठन, स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	लेखन के विषय हमारे आसपास ही हैं' इस कथन को उदाहरणों से स्पष्ट किया।	
	क्या लिखूँ? - [पटुमलाल पुन्नालाल बख्शी]			DAY 4		"**टूटी पेंसिल की कहानी**" -:1 टूटी पेंसिल दिखाएं। पूछिए: "अगर ये पेंसिल बोल सकती, तो क्या कहती?" - "मुझे क्यों तोड़ा?", "मैंने कितने होमवर्क लिखे"।	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.1-विभिन्न श्रव्य और लिखित सामग्री का विश्लेषण और मूल्यांकन करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	
कविता 9	राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद - [तुलसीदास]			AUGUST DAY 1	AUGUST	"**धनुष कौन उठाए?**" -:एक भारी बस्ता आगे रखें। कहें: "जो ये उठा ले वो ताकतवर"। बच्चे कोशिश करें।	कविता का छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा शब्दार्थ तथा भावार्थ का स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	रामकाव्य परंपरा के प्रसंगों का रसास्वादन कर पात्रों के चरित्र व संवाद-कला को समझे।	

	राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद - [तुलसीदास]			DAY 2		"**बड़े को जवाब कैसे दें?**" - "अगर कोई बड़े तुम्हें बिना बात डाँटे, तो क्या करोगे? चुप रहोगे या जवाब दोगे?"	पूर्व भावार्थ कविता पर आधारित कविता के आगे का भाग का स्पष्टीकरण तथा पठन	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय भाषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में वीर-रस, व्यंग्य, विनय व मर्यादा के तत्व पहचानकर पात्रों का चरित्र-चित्रण किया।	
	राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद - [तुलसीदास]			DAY 3		"**टूटी धनुष = युद्ध?**" - "अगर कोई तुम्हारी पेंसिल तोड़ दे, तो तुम क्या करोगे? डाँटोगे, मारोगे या माफ करोगे?"	पठन तथा स्पष्टीकरण द्वारा कहानी खत्म होने पर कहानी के बारे में प्रश्न - उत्तर चर्चा	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में भाषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	विनय से बड़ा कोई शस्त्र नहीं' इस कथन को संवाद के आधार पर उदाहरण सहित समझे।	**[ASSESSMENT FOR LEARNING]**
	राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद - [तुलसीदास]			DAY 4		"तुम्हारे दोस्त ने गलती से तुम्हारा बैट तोड़ दिया। तुम बहुत गुस्से में हो। अब दोस्त क्या बोले?"एक बच्चा गुस्सा करे, दूसरा "सॉरी" बोले या पलटकर जवाब दे।	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए भाषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तर्क के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	

पाठ 3	संवादहीन - शेखर जोशी			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	"**चिट्ठी vs व्हाट्सएप"** - "पहले लोग दूर के रिश्तेदार को चिट्ठी लिखते थे। 10 दिन बाद जवाब आता था। अब?" - "तुरंत व्हाट्सएप"।	संवादहीन और संवाद का अंतर स्पष्ट करके पाठ की शुरुआत करना ,शिक्षक - छात्रों द्वारा पाठ पठन तथा उच्चारण , स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	आधुनिक जीवन में संवाद का महत्व' विषय पर 5 वाक्यों में अपने विचार बताए।	
	संवादहीन - शेखर जोशी			DAY 2		"**बात** "पापा और बेटे में झगड़ा हुआ। 3 दिन से बात बंद। दोनों चाहते हैं बात हो, पर पहल कौन करे?"	संवाद का महत्व बताते हुए पाठ को स्पष्ट करना।	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	'संवादहीन' कहानी के आधार पर महानगरीय जीवन, अकेलापन व पीढ़ी-अंतराल की समस्या का विश्लेषण कर समाधान समझे।	
	संवादहीन - शेखर जोशी			DAY 3		"**बिना बोले 1 मिनट"** - "अगले 1 मिनट तक एक-दूसरे से बात नहीं करनी। सिर्फ देखना है।"	पाठ के द्वारा दिया गया संदेश प्रश्न - उत्तर तथा चर्चा सत्र द्वारा ज्ञान का पुनर्निरीक्षण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	आधुनिक जीवन की विसंगतियों व मानवीय रिश्तों में आए तनाव को साहित्य के माध्यम से समझकर संवेदनशीलता विकसित हुआ।	

	संवादहीन - शेखर जोशी			DAY 4		"**मोबाइल साथ, पर अकेले"** "घर में सब लोग एक कमरे में बैठे हैं। पर कर क्या रहे हैं?" जवाब आएगा - "सब अपने-अपने मोबाइल में"।	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए भाषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तर्क के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	
कविता 10	भारति, जय, विजयकरे! - [सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला"]			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	"**जय vs विजय"** "जय" और "विजय"। "दोनों में फर्क?" "जय = प्रशंसा। विजय = जीत।"	भारत तथा उसकी महिमा का वर्णन करते हुए , महत्व समझाते हुए कविता का पठन तथा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय भाषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	रण-चंडी' का आशय स्पष्ट कर वर्तमान संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता वाक्यों में स्पष्ट किया।	
	भारति, जय, विजयकरे!- [सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला]"			DAY 2		"**सोया कौन है?**" - "सुबह अलार्म बजता है तो उठते हो या 5 मिनट और?" "अगर पूरा देश सोया हो तो कौन जगाएगा?"	देशभक्ति पर चर्चा करते हुए कविता के आगे के भाग का छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में भाषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	कविता में निहित राष्ट्रीय चेतना, शक्ति-पूजा व भारत माता के वीर-रूप को पहचानकर व्याख्या की।	

	भारति, जय, विजयकरे!-[सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला"]			DAY 3		**"ढोल-नगाड़े बजाओ"** - डेस्क थपथपाकर ढोल जैसी आवाज निकालें। कहें: "जंग का बिगुल बजा है। तैयार हो?"	समस्या का हम किस तरह से सामना कर सकते हैं इसका समाधान बताते हुए आगे के कविता राष्ट्रीय चेतना, भारत माता का आह्वान, नव-जागरण, ओज-वीर रस, मुक्त छंद. पठन तथा स्पष्टीकरण, छात्रों द्वारा उपाय पर चर्चा	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में भाषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	राष्ट्रीय चेतना, भारत माता का आह्वान, नव-जागरण, ओज-वीर रस, मुक्त छंद. का आस्वादन किया।	
	भारति, जय, विजयकरे! - [सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला"]			DAY 4		**"भारत माता कैसी दिखती?"** - "भारत माता की कल्पना करो। क्या पहना है? हाथ में क्या है? चेहरे पर क्या भाव है?"	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए भाषा का उपयोग करना।	C-3.1-विभिन्न श्रव्य और लिखित सामग्री का विश्लेषण और मूल्यांकन करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	**ASSESSMENT OF LEARNING**
पाठ 4	ऐसी भी बातें होती हैं (लता मंगेशकर से साक्षात्कार) - यतींद्र मिश्र			NOVEMBER DAY 1	NOVEMBER	**"माइक का डर"** "स्टेज पर बोलने से पहले डर लगता है? हाथ काँपते हैं?"	गायन कला के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए प्रश्न - उत्तर द्वारा पाठ की शुरुआत, पाठ का छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	लता मंगेशकर के साक्षात्कार के आधार पर उनके व्यक्तित्व की विशेषताएँ, संघर्ष व कला-साधना का वर्णन किया।	

	ऐसी भी बातें होती हैं (लता मंगेशकर से साक्षात्कार) - यतींद्र मिश्र			DAY 2		**13 साल की उम्र में नौकरी"** "तुम 13 साल के हो। अगर आज परिवार चलाने की जिम्मेदारी तुम पर आ जाए तो?"	जीवन मूल्यों का आदर करते हुए गायन में लताजी के किए गए कार्य का वर्णन , छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	सफलता के पीछे साधना होती है' इस कथन को लता जी के जीवन से जोड़कर वाक्यों में स्पष्ट किया।	
	ऐसी भी बातें होती हैं (लता मंगेशकर से साक्षात्कार) - यतींद्र मिश्र			DAY 3		"**आवाज पहचानो"** - आँख बंद कराएं। मोबाइल पर लता जी का कोई प्रसिद्ध गाना 10 सेकंड बजाएं - "ऐ मेरे वतन के लोगों"।	विद्यार्थी जीवन में की जाने वाली गतिविधियों का महत्व तथा निरंतर अभ्यास का महत्व दर्शाते हुए पाठ का समापन ,स्पष्टीकरण तथा पठन	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	साक्षात्कार जैसी साहित्यिक विधा के माध्यम से व्यक्तित्व, कला व जीवन-मूल्यों को समझते है।	
	ऐसी भी बातें होती हैं (लता मंगेशकर से साक्षात्कार) - यतींद्र मिश्र			DAY 4		"**सवाल पूछो तो क्या?"** - "अगर लता मंगेशकर आपके सामने बैठी हों, तो 1 सवाल क्या पूछोगे?"	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.1-विभिन्न श्रव्य और लिखित सामग्री का विश्लेषण और मूल्यांकन करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	

कविता 11	झाँसी की रानी - [सुभद्रा कुमारी चौहान]			NOVEMBER DAY 1	NOVEMBER	"**पीठ पर बच्चा, हाथ में तलवार"** - वर्णन करें: "रानी का मतलब क्या? महल, गहने, दासियाँ?" बच्चे हाँ करेंगे।	झाँसी की रानी की महानता तथा शौर्य का वर्णन करते हुए कविता का पठन तथा स्पष्टीकरण, शब्दार्थ	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	वीर रस प्रधान ऐतिहासिक कविताओं का सस्वर वाचन कर राष्ट्रीय गौरव व बलिदान की भावना का अनुभव किया।	
	झाँसी की रानी - [सुभद्रा कुमारी चौहान]			DAY 2		"**रानी या योद्धा?"** "कोई रानी घोड़े पर तलवार लेकर लड़ती हो? पीठ पर बच्चा बाँधकर?" चौंक जाएंगे।	स्वतंत्रता संग्राम में झाँसी के लिए किए गए अपने बलिदान की कहानी सुनाते हुए कविता पठन तथा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य, नारी-शक्ति व देश-प्रेम को पहचानकर वर्णन किया।	
	झाँसी की रानी - [सुभद्रा कुमारी चौहान]			DAY 3		"**बुंदेले हरबोलों के मुँह"** - "बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी"।	शौर्य- शक्ति के प्रतीक को दर्शाते हुए , वर्णन करते हुए कविता का समापन, पठन ,स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	कविता के आधार पर रानी लक्ष्मीबाई के चरित्र की विशेषताएँ उदाहरण सहित स्पष्ट किया।	

	झाँसी की रानी- [सुभद्रा कुमारी चौहान]			DAY 4		**"सिंहासन हिल उठे"** -: "खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी"। 2 बार	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए भाषा का उपयोग करना।	C-3.1-विभिन्न श्रव्य और लिखित सामग्री का विश्लेषण और मूल्यांकन करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	**[ASSESSMENT AS LEARNING]**
पाठ 5	आखिरी चट्टान तक - मोहन राकेश			DECEMBER DAY 1	DECEMBER	**"दरवाजा खोलूं या बंद करूं?"** - कक्षा के दरवाजे पर खड़े हों। एक हाथ खोलने को, एक बंद करने को। पूछिए: "राजेंद्र जाए या रुके? वोट करो।"	चट्टान की परिभाषा , रोज के जीवन से उसका अर्थ समझ कर पाठ की शुरुआत, पाठ का छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय भाषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	आधुनिक हिंदी एकांकी के माध्यम से मध्यवर्गीय जीवन की विसंगतियों, दांपत्य-संबंधों के तनाव व व्यक्ति के अंतर्द्वंद्व को स्पष्ट किया।	
	आखिरी चट्टान तक - मोहन राकेश			DAY 2		**थका हुआ आदमी"** "थके हुए आदमी की तरह बैठो। कंधे झुके, आँखें बुझी"।	मन की भावना ,दशा का परिणाम व्यक्तित्व पर पड़ता है यह बताते हुए छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में भाषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	एकांकी के पात्रों के मनोविज्ञान, प्रतीक-योजना व पलायन की समस्या का विश्लेषण कर वर्तमान संदर्भ से जोड़ा।	
	आखिरी चट्टान तक - मोहन राकेश			DAY 3		**"चट्टान क्या है?"** "'चट्टान' सुनकर क्या दिमाग में आता है?" - "पत्थर, मजबूत, अड़ियल, पहाड़"।	पाठ का सार स्पष्ट करते हुए निरंतर अभ्यास का महत्व दर्शाते हुए पाठ का समापन ,स्पष्टीकरण तथा पठन	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में भाषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	राजेंद्र के पलायन के कारण एकांकी के आधार पर स्पष्ट किया।	

	आखिरी चट्टान तक - मोहन राकेश			DAY		1 लाइन" - 3 मिनट | तो चले जाओ"। पूछिए: "ये कौन बोलेगा? प्यार से, गुस्से से, ताने से?"बच्चों से अंदाज में बुलवाएं।	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए भाषा का उपयोग करना।	C-3.1-विभिन्न श्रव्य और लिखित सामग्री का विश्लेषण और मूल्यांकन करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	
कविता 12	घर की याद [भवानीप्रसाद मिश्र]			DECEMBER DAY 1	DECEMBER	**आँख बंद - घर पहुँचो"** - "आँख बंद करो। 30 सेकंड। अपने घर की रसोई में पहुँचो। क्या गंध आ रही? क्या आवाज आ रही?"	घर का वर्णन तथा घर और बाहर में अंतर स्पष्ट करते हुए पाठ की शुरुआत, पाठ का छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय भाषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	सरल व सहज भाषा की कविता का रसास्वादन कर 'घर' जैसे भावनात्मक विषय से जोड़ा।	**[ASSESSMENT AS LEARNING]**
	घर की याद [भवानीप्रसाद मिश्र]			DAY 2		"**घर माने क्या?**":बोर्ड पर लिखें: "घर = ____"। बच्चों से 1-1 शब्द भरवाएं - "माँ, सुकून, खाना, नींद, अपनापन"।	घर की अहमियत बताते हुए छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2 भारतीय भाषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	घर की याद' कविता में आए घरेलू बिंबों, मानवीकरण व स्मृति-भाव को पहचानकर व्याख्या की।	

	घर की याद [भवानीप्रसाद मिश्र]			DAY 3		**चीजें बोलती हैं"** - पुरानी चप्पल/किताब दिखाएं। पूछिए: "अगर ये बोल सकती, तो घर के बारे में क्या बताती?	घर के महत्व का वर्णन करते ,महत्व दर्शाते हुए पाठ का समापन ,स्पष्टीकरण तथा पठन	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	घर की याद' कविता का मूल-भाव वाक्यों में स्पष्ट किया।	
	घर की याद [भवानीप्रसाद मिश्र]			DAY 4		"**गाँव vs शहर" -** गाँव / शहर। पूछिए: "गाँव में क्या मिलता जो शहर में नहीं?" - "आँगन, चूल्हा, खुला आकाश, चुप्पी"।	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	
पाठ 6	रीढ़ की हड्डी - जगदीशचंद्र माधुर			JANUARY DAY 1	JANUARY	"**सीधे खड़े हो जाओ" -** सबको खड़ा करें। कहें: "बिल्कुल सीधे खड़े हो। अब झुक जाओ। फिर सीधे हो।"	दहेज ,शादी की प्रथा के बारे में जानकारी देते हुए पाठ की शुरुआत, पाठ का छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	सामाजिक एकांकी के माध्यम से दहेज-प्रथा, लैंगिक भेदभाव व नारी-सशक्तिकरण जैसी समस्याओं को समझकर आलोचनात्मक दृष्टि विकसित हुई।	**[ASSESSMENT FOR LEARNING]**

	रीढ़ की हड्डी - जगदीशचंद्र माधुर			DAY 2		"**दहेज की लिस्ट**" "शादी में लड़के वाले क्या-क्या माँगते हैं?" - "टीवी, फ्रिज, गाड़ी, कैश"।	सामाजिक प्रथा का विरोध दर्शाते हुए छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	उमा व शंकर के विचारों की तुलना कर नारी-शिक्षा पर उनके दृष्टिकोण को व्यक्त किया।	
	रीढ़ की हड्डी - जगदीशचंद्र माधुर			DAY 3		**पढ़ी-लिखी बहू चाहिए या नहीं?**" विषय: "बहू का ज्यादा पढ़ा-लिखा होना अच्छा है या बुरा?" 1 मिनट तर्क सोचें।	शिक्षा का महत्व तथा समाज की मानसिकता बदल ने पर भर देते हुए , महत्व दर्शाते हुए देश की जिम्मेदारी हमारी हैं ये भावना विकसित करते हुए	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में आषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	रीढ़ की हड्डी' एकांकी में निहित व्यंग्य, पात्रों के द्वंद्व व 'रीढ़' के प्रतीकार्थ का विश्लेषण कर सामाजिक कुरीतियों पर तर्क दिया।	
	रीढ़ की हड्डी - जगदीशचंद्र माधुर			DAY 4		दो मिनिट में शादी के निमंत्रण कार्ड में क्या लिखा होना चाहिए , ये बताए।	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	

(साथ-साथ पढ़ें)	तब याद तुम्हारी आती है [रामनरेश त्रिपाठी]			JANUARY DAY 1	JANUARY	**"लोरी कौन सुनाए?"** "बचपन में सुलाने के लिए कौन लोरी गाता था?" - "माँ"।	कविता पठन तथा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	मातृ-प्रेम व वियोग से संबंधित कविताओं का भाव-प्रवण पाठ कर करुण रस की अनुभूति की।	
	तब याद तुम्हारी आती है [रामनरेश त्रिपाठी]			DAY 2		**"माँ की 3 चीजें"** "माँ से जुड़ी 3 चीजें बताओ जो देखते ही माँ याद आ जाए?" - "साड़ी, चूड़ी, बेलन, गोद"	कविता पठन तथा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	कविता में अभिव्यक्त माँ के प्रति पुत्र के प्रेम, स्मृति व वियोग-व्यथा को समझकर भाव स्पष्ट किया।	
पाठ 7	मैं और मेरा देश – [कन्हैयालाल मिश्र] 'प्रभाकर			JANUARY DAY 1	JANUARY	"**मेरा देश = मैं?**" "देश = तुम + तुम + तुम + ..."। पूछिए: "अगर सब 'तुम' खराब हो जाओ, तो देश कैसा होगा?"	देश , लोग ,अधिकार ,कर्तव्य की जानकारी देते हुए छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	माध्यम से राष्ट्र-प्रेम, नागरिक कर्तव्य व आत्म-निरीक्षण का महत्व समझकर जिम्मेदार नागरिक बने।	

	मैं और मेरा देश [कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर]			DAY 2		**शिकायत किसकी?**" - "देश में क्या खराब है? 3 चीजें बोलो" - "गंदगी, भ्रष्टाचार, ट्रैफिक"।	हमारी समस्या तथा कर्तव्य का महत्व बताते हुए पाठ का छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय भाषाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	लेखक के व्यंग्य, आत्म-स्वीकृति व 'व्यक्ति-सुधार से राष्ट्र-सुधार' के विचार का विश्लेषण किया।	
	मैं और मेरा देश [कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर]			DAY 3		**देश मेरा, पर काम किसका?**" - "भारत मेरा देश है। तो इसे साफ कौन रखेगा?" बच्चे कहेंगे - "सरकार, सफाईवाला"।	देश की जिम्मेदारी हमारी हैं ये भावना विकसित करते हुए पाठ का समापन ,स्पष्टीकरण तथा पठन	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में भाषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	अधिकार से पहले कर्तव्य' इस विचार को निबंध के आधार पर बिंदुओं में समझाया।	
	मैं और मेरा देश [कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर]			DAY 4	DAY 4	**आईना देखो"** - काल्पनिक आईना हाथ में पकड़ने का एक्शन कराएं। कहें: "आईने में देखो। देशभक्त दिख रहा?"	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए भाषा का उपयोग करना।	C-3.1-विभिन्न श्रव्य और लिखित सामग्री का विश्लेषण और मूल्यांकन करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा।	

(साथ-साथ पढ़ें)	निर्मल जीत सिंह सेखों			JANUARY DAY 1	JANUARY	**"नाम में क्या?"** - "'निर्मल' का मतलब?" - "साफ, पवित्र, सच्चा"।	पठन तथा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	'निर्मल' के चरित्र, रचना-संघर्ष व 'कला बनाम बाजार' के द्वंद्व का विश्लेषण किया।	
	निर्मल जीत सिंह सेखों			DAY 2		**गीत कैसे बनता?"** "गाना सुनना अच्छा लगता है। पर गाना 'बनता' कैसे है? कवि के दिमाग में क्या चलता है?"	पठन तथा स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.1-पाठ को पढ़ते हुए विभिन्न शैलियों की सामग्री के अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज और साहित्यिक विविधता की बहुभाषी प्रकृति की पहचान करना।	'निर्मल जीत' की सार्थकता बिंदुओं में स्पष्ट किया।	**[ASSESSMENT OF LEARNING]**

UNIT		Topic	Sub-Topic	Month		Suggested Ice-Breaking Activity	Teaching Pedagogy	Curricular Goals	Competency	Expected Learning Outcome	Assessment
No.	Name			Starting	Closing						
01	शब्द भंडार समानार्थी शब्द			JULY DAY 1	JULY	**ताली-मैच गेम** टीचर 2 शब्द बोले: "पेड़-वृक्ष" → बच्चे 1 ताली = सही जोड़ी। "पेड़-नदी" → चुप = गलत जोड़ी। तेज़ी से 5 जोड़ी: अग्नि-आग, हवा-पवन, रात-निशा।	समानार्थी - पर्यायवाची शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उदाहरण के साथ वाक्य के साथ स्पष्टीकरण ,चर्चा - सत्र द्वारा पाठ का पठन तथा लेखन	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.2- भारतीय आशाओं की विभिन्न साहित्यिक रचनाओं में निहित संस्कृति एवं विरासत की विविधता और उनके आपसी संबंधों की सराहना करना।	**पहचान व स्मरण** छात्र सामान्य प्रयोग में आने वाले शब्दों के 2-3 पर्यायवाची शब्द पहचान सके और याद रख सके।	

02	मुहावरे			JULY DAY 1	JULY	**मुहावरे:** "एक्टिंग करो" टीचर बोले: "नाक में दम करना" → 1 बच्चा नाक पकड़कर परेशान होने की एक्टिंग करे। "आग बबूला होना" → गुस्से वाला मुँह बनाए। "ईद का चाँद होना" → छुप जाए फिर दिखे।	मुहावरों का पठन तथा अर्थ के साथ स्पष्टीकरण , मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करने का ज्ञान देना।	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में आषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	**अर्थ समझना -** छात्र प्रचलित मुहावरों का शाब्दिक अर्थ छोड़कर लाक्षणिक/वास्तविक अर्थ समझ सके।	
	मुहावरे			DAY 2		कोई 5 मुहावरे 1 मिनिट में बोलिए।	मुहावरों का पठन तथा अर्थ के साथ स्पष्टीकरण , मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करने का ज्ञान देना।	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में आषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	**अर्थ समझना -** छात्र प्रचलित मुहावरों का शाब्दिक अर्थ छोड़कर लाक्षणिक/वास्तविक अर्थ समझ सके।	

03	अनुच्छेद लेखन			JULY DAY 1	JULY	टीचर बोले: "मेरा प्रिय खेल" → बच्चे 10 सेकंड आँख बंद करके सोचें → फिर 1 शब्द चिल्लाएँ जो दिमाग में आया: क्रिकेट, दौड़, हँसी।	अनुच्छेद लेखन के नियमों का वर्णन तथा लेखन प्रक्रिया का ज्ञान देना, लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा जाता है।	ASSESSMENT AS LEARNING
04	शब्द निर्माण उपसर्ग			JULY DAY 1	JULY	**उपसर्ग चिपकाओ -** नया शब्द बनाओ टीचर बोर्ड पर मूल शब्द लिखे: "हार" → बोले "पर" लगाओ → बच्चे चिल्लाएँ: "प्रहार"। फिर "मान - अपमान", "योग - वियोग", "कार - सरकार"। टीचर उपसर्ग बोले, बच्चे शब्द बनाएँ।	मूल शब्दों को उपसर्ग को जोड़ना तथा अलग करना ,स्पष्टीकरण ,लेखन	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में आषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	**परिभाषा समझना** छात्र बता सके कि शब्द के आगे जुड़कर नया अर्थ देने वाले शब्दांश को उपसर्ग कहते हैं।	

	उपसर्ग			DAY 2		**तोड़ो और जोड़ो** टीचर शब्द बोले: "अनुचित" → बच्चे तेज़ी से बताएँ: "अनु + उचित"। फिर "अध्यक्ष - अधि + अक्ष", "निडर - निर् + डर", "प्रत्येक - प्रति + एक"।	संज्ञा ,विशेषण से प्रत्यय को जोड़कर नए शब्दों का स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में आषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	**उपसर्ग-प्रत्यय में अंतर** छात्र बता सके कि उपसर्ग आगे लगता है, प्रत्यय पीछे।	
05	प्रत्यय			JULY DAY 1	JULY	**तत्सम से तद्भव -** फटाफट टीचर बोले: "अग्नि" → बच्चे 2 सेकंड में चिल्लाएँ: "आग"। फिर "कृष्ण-कान्हा", "रात्रि-रात", "दुग्ध-दूध"।	मूल शब्दों को प्रत्यय को जोड़ना तथा अलग करना ,स्पष्टीकरण ,लेखन	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में आषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	**परिभाषा समझना** छात्र बता सके कि शब्द के अंत में जुड़कर नया अर्थ देने वाले शब्दांश को प्रत्यय कहते हैं।	
	प्रत्यय			DAY 2		**ताली गलत पर टीचर जोड़ी बोले:** "हाथ-हस्त" → सही है, चुप रहो। "पानी-पय" → गलत है, ताली बजाओ। क्योंकि "पानी" तद्भव है, पर "पय" का तद्भव "पेय" नहीं "दूध" होता है। फिर "आँख-अक्षि", "कान-कर्ण" करवाओ।	संज्ञा ,विशेषण से प्रत्यय को जोड़कर नए शब्दों का स्पष्टीकरण	CG-4: भारतीय भाषाई विविधता से जुड़ी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना।	C-4.3-हमारी संस्कृति और पहचान के निर्माण में आषा की भूमिका को समझते हुए अभिव्यक्त करना।	**नए शब्द बनाना** - छात्र दिए गए मूल शब्द में सही प्रत्यय लगाकर नया शब्द बना सके।	**ASSESSMENT FOR LEARNING**

06	संवाद लेखन			AUGUST DAY 1	AUGUST	**वाक्य पूरा करो संवाद में** टीचर बोले: A: "कल तुम स्कूल क्यों नहीं आए?" → बच्चे B बनकर जवाब दें: "बुखार था सर!" फिर A: "पानी क्यों बर्बाद कर रहे हो?" → B: "सॉरी आंटी, नल बंद करता हूँ।	नियम नुसार संवाद का स्पष्टीकरण तथा विषय पर आधारित लेखन का ज्ञान देना। लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	**उद्देश्य समझना -** छात्र बता सके कि संवाद का मकसद विचार-विनिमय, सूचना देना या मनोरंजन करना है।	
07	विराम चिन्ह			AUGUST DAY 1	AUGUST	"**साँस का खेल**" टीचर वाक्य बोले: "रुको मत जाओ" → बिना रुके पढ़ो तो मतलब गलत। फिर बोले: "रुको, मत जाओ" → अल्प विराम पर 1 सेकंड रुको। "क्या तुम आओगे?" → प्रश्नवाचक पर आवाज़ ऊपर। "वाह! क्या बात है।" → विस्मयादिबोधक पर जोश।	विराम चिन्हों के नाम के साथ उनका उपयोग करने का ज्ञान देना तथा वाक्य में चिन्हों का उपयोग करने का ज्ञान तथा स्पष्टीकरण	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.1-विभिन्न श्रव्य और लिखित सामग्री का विश्लेषण और मूल्यांकन करना।	**शुद्ध वाचन करना** - छात्र विराम-चिह्नों को ध्यान में रखकर उतार-चढ़ाव के साथ पढ़ सके ताकि भाव सही निकले।	

	विराम चिन्ह			DAY 2		एक मिनिट में विराम चिन्ह के नाम बताए।	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.1-विभिन्न श्रव्य और लिखित सामग्री का विश्लेषण और मूल्यांकन करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा	
08	अनौपचारिक पत्र			AUGUST DAY 1	AUGUST	पत्र पर आधारित गाने बताए।	विषय से संबंधित प्रारूप नुसार पत्र का स्पष्टीकरण तथा लेखन।	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	**उद्देश्य समझना** - छात्र बता सके कि अनौपचारिक पत्र दोस्तों, रिश्तेदारों को हाल-चाल, बधाई, निमंत्रण देने के लिए लिखते हैं।	

09	अपठित गद्यांश			AUGUST DAY 1	AUGUST	**सुनो-समझो-**बोलो" टीचर 2 लाइन की कहानी बोले: "एक कौवा प्यासा था। घड़े में पानी कम था।" फिर पूछे: "कौन प्यासा था?" → सब: "कौवा!" "पानी कहाँ था?" → "घड़े में!"	तेज़ गति से पठन तथा समझने का ज्ञान देना, प्रश्न आधारित उत्तर का निर्माण करना तथा गद्यांश के घटकों को समझना , लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	**बोध/समझ** - छात्र गद्यांश को पढ़कर उसका मुख्य भाव/केंद्रीय विचार अपने शब्दों में बता सके।	
10	संज्ञा			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	**नाम है किसका?** टीचर बोले: "व्यक्ति" → बच्चे चिल्लाएँ कोई 3 नाम: "राम, सीता, मोहन"। "स्थान" → "दिल्ली, स्कूल, बगीचा"। "वस्तु" → "किताब, पेन, कुर्सी"। "भाव" → "ईमानदारी, खुशी, गुस्सा"।	संज्ञा का लिंग ,वचन के साथ स्पष्टीकरण तथा भेद का स्पष्टीकरण	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	**पहचान करना** - छात्र वाक्य में व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव के नाम वाले शब्द यानी संज्ञा पहचान सके।	

	संज्ञा			DAY 2		**गिनती हो पाएगी या नहीं?** टीचर शब्द बोले: "सेब" → बच्चे चिल्लाएँ: "गिन सकते" + 2 ताली। "पानी" → "नहीं गिन सकते" + चुप। "लड़का-गिन सकते", "दूध-नहीं गिन सकते"।	संज्ञा का भाववाचक संज्ञा तथा विशेषण में बदलाव करना , लेखन कार्य।	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	**भाववाचक संज्ञा बनाना -** छात्र विशेषण, क्रिया, सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा बना सके।	
11	सर्वनाम			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	**व्याकरण का पिटारा** टीचर बोले: "व्याकरण में क्या-क्या आता है?" बच्चे 1-1 शब्द चिल्लाएँ: "संज्ञा", "सर्वनाम", "क्रिया", "लिंग", "वचन", "संधि", "समास"। जो शब्द बोले उस पर सब ताली।	नाम के स्थान पर सर्वनाम का उपयोग करवाना , नियम ज्ञात करवाना।	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	**पहचान करना -** छात्र वाक्य में संज्ञा के बदले आए शब्द यानी सर्वनाम पहचान सके	

	सर्वनाम			DAY 2		**भेद बताओ -** उंगली गिनाओ टीचर बोले: "संज्ञा के कितने भेद?" → बच्चे उंगली पर गिनें: "5" और नाम बोलें: "व्यक्ति, जाति, भाव, समूह, द्रव्य"। "लिंग के भेद?" → "2" + "पुल्लिंग, स्त्रीलिंग"। "वचन के भेद?" → "2" + "एकवचन, बहुवचन"	सर्वनाम के भेद को उदाहरण के साथ स्पष्ट करना , लेखन कार्य।	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	**प्रयोग का कारण -** छात्र समझ सके कि सर्वनाम संज्ञा की पुनरावृत्ति रोकने के लिए यूज़ होता है।	
	सर्वनाम			DAY 3		सर्वनाम के सारे भेद एक मिनिट में बताए।	लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखा	

12	निपात			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	**"ज़ोर देने वाले"** टीचर बोले: "मैं तो जाऊँगा ही" → "तो, ही" पर बच्चे ज़ोर से बोलें। "आप भी आइए, केवल राम आया" → "भी, केवल" पर ज़ोर। "मात्र, भर, तक" वाले 8 वाक्य	निपात की पहचान - वाक्य में 'ही, भी, तो, तक, मात्र, भर, केवल' जैसे निपात शब्द पहचान स्पष्टीकरण द्वारा करवाना। लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	**अर्थ समझना** - छात्र समझ सके कि निपात वाक्य के अर्थ में जोर, सीमा, तुलना या निश्चय कैसे जोड़ते हैं।	
13	चित्र वर्णन			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	**वाक्य रचना:** "शब्द जोड़ो" टीचर 3 शब्द दे: "राम, आम, खाया" → बच्चे वाक्य बनाएं: "राम ने आम खाया"। "बच्चे, स्कूल, जाते" → "बच्चे स्कूल जाते हैं"।	चित्र पर आधारित लेखन कार्य का ज्ञान देना , शिक्षा का ज्ञान तथा वाक्य निर्मिति वर्णन करना, लेखन कार्य	CG-1: लेखन के विभिन्न रूपों (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नव मीडिया (ईमेल, श्रव्य और दृश्य सामग्री) के माध्यम से प्रभावी संप्रेषण के लिए आषा का उपयोग करना।	C-3.2-रचना में परिवेश का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तकी के साथ चर्चा-परिचर्चा करना।	**क्रमबद्ध वर्णन** - छात्र चित्र का वर्णन आगे-पीछे, ऊपर-नीचे या मुख्य से गौण के क्रम में कर सके, बिखरा-बिखरा न बताए।	**ASSESSMENT OF LEARNING**